>

Title: Regarding depletion of water level leading to shortage of drinking ground water in Uttar Pradesh and other parts of the country.

**श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी):** माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आप का आभारी हूं। अभी सदन में अर्जुन सिंह भेघवाल साहब ने जल संसाधन के संवर्द्धन पर प्रश्न उठाया उसके साथ ही साथ राष्ट्रीय जल नीति का प्रश्न श्री संजय सिंह चौहान और श्री विजय बहादुर सिंह ने मामला उठाया।

**12.06 hrs** (Dr. M. Thambidurai *in the Chair*)

उसी से अपने को संबंद्ध करते हुए मैं आपको अवगत कराना चाहूंगा कि आज पूरे देश में समय से बारिश न हो पाने के कारण हमारी नदियां सूख रही हैं। पहाड़ों के जो ग्लेशियर हैं उन पर बर्फ भी नहीं जम रहे हैं और वे तेजी से पिघल रहे हैं। जिससे जल की बहुत कमी हो रही है। दूसरी बात यह है कि जमीन के भूगर्भ में जल स्तर नीचे गिरता जा रहा है। आज हमारी सरकारें वह चाहे केन्द्र की सरकार हो या राज्य की सरकार हो, केन्द्र की सरकार से अगर राज्य की सरकारें पेय जल और सिचाई के लिए पैकेज मांगती हैं तो पैकेज और समूचित धन मुहैया नहीं करा पाने के कारण जो तमाम चेक डैम बने हैं, चेक डैम बना कर हम जल का संरक्षण कर सकते हैं। आज जलाशयों में पानी नहीं है इसलिए इसके अगल-बगल चारो तरफ चेक डैम बनाने की जरूरत है। वर्षा का जल बह कर समुद्र में चला जाता है। सिंचाई और पेय जल की भयानक स्थिति पूरे देश के अंदर है। आज नल कूप पानी नहीं दे रहे हैं। पेय जल के लिए अगर हैंड-पम्प चलाने जाइए तो वे भी पानी नहीं दे रहे हैं। दूसरी, बात यह है कि हमारे जो कूप, जलाशय या तालाब है वे भी सूखते चले जा रहे हैं। यहां तक कि मेरे क्षेत्र कौशाम्बी, प्रतापगढ़ जो गंगा-यमुना के बीच में बसा हुआ है, आज नदियों के होते हुए भी पेय जल और सिंचाई की वहां बहुत बड़ी समस्या है। हम आप के माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहेंगे कि सिंचाई के आलवा जिस प्रकार से नदियों से लिफ्ट कर नहरों में पानी देते हैं उसी प्रकार नदियों में लिफ्ट बनाकर एक जलाशय बनाया जाए और वहां पर पेय जल का ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाए उसी से वाटर सप्लाई किया जाए। जिससे पेय जल की समस्या साल्व हो सके।

भारत सरकार से एक योजना गई है कि हैंड पम्प 70 मीटर से 75 मीटर दूर लगे। ऐसे-ऐस गांव और बस्तियां हैं जहां पर घर बसे हैं उनको बड़ी दिक्कत है। इसलिए यह 70 मीटर और 75 मीटर की जो दूरी है उसको समाप्त किया जाए। पेय जल की बहुत कमी है। मैं चाहूंगा कि तमाम सदस्य अपने क्षेत्रों में जातें हैं, वहां पेय जल के लिए हाहाकार है। मैं आपके माध्यम से चाहूंगा कि सभी सांसदों के क्षेत्र में पेय जल की समस्या और सिंचाई की समस्या को देखते हुए कम दो-दो हजार इंडिया मार्क हैंड पम्प केन्द्र सरकार तत्काल व्यवस्था कराए। नदियों में जो पानी है उसको लिफ्ट कर के वहां पर लिफ्ट ट्रीटमेंट योजना बना कर डीबोरिंग कर के पेय जल की समस्या को दूर किया जाए। इन्हीं बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

MR. CHAIRMAN: S/Shri

P.L. Punia and

Goraknath Pandey are allowed to associate themselves with the matter raised by Shri Shailendra Kumar.